हरियाणा की धुंध कानपुर पर छाई

मध्य उप्र के कई जिले प्रभावित

हवा में जहर

- एक दिन में पांच गुना बढ़ गया पार्टिकुलेट मैटर (पीएम-1)
- फर्रुखाबाद, फतेहपुर, हरदोई, कन्नौज, उन्नाव में भी काफी असर

कानपुर, जागरण संवाददाता : हरियाणा से हवाओं के जरिये आयी धुंध रविवार सुबह से कानपुर व आसपास के जिलों में छाई रही। इस धुंध के चलते एक ही दिन में पार्टिकुलेट मैटर (पीएम-1) 130 से बढ़कर 530 माइक्रोग्राम प्रति मीटर क्यूब पहुंच गया। पांच गुना पीएम-1 बढ़ने से दृश्यता भी कम होकर छह सौ मीटर पर पहुंच गई। आइआइटी प्रोफेसर व मौसम वैज्ञानिक बताते हैं कि पश्चिम से पूरब की ओर चलने वाली उत्तर पश्चिमी हवाओं से कानपुर समेत पूरा मध्य उत्तर प्रदेश का क्षेत्र धुंध की चपेट में आ रहा है। कन्नौज फर्रुखाबाद, फतेहपुर, हरदोई, उन्नाव में भी धुंध का काफी असर रहा।

आइआइटी के सिविल इंजीनियरिंग व अर्थ साइंस विभाग के प्रो. सच्चिदानंद त्रिपाठी बताते हैं कि शहर में एक ही दिन में प्रदूषण के चलते पीएम-1 पांच गुना नहीं बढ़ सकता। एक अध्ययन के अनुसार हरियाणा में धान की पराली जलाए जाने का असर शहर में नजर आ रहा है, जिसके चलते लगातार तीसरे दिन शहर में धुंध छाई हुई है। प्रो. त्रिपाठी ने बताया कि शहर में हवा व धूल के कणों से बढ़ते प्रदूषण का अंदाजा एयरोसोल के लगातार बढ़ने से लगाया जा सकता

■शेष पृष्ठ 13 पर (देखें पेज-3 व 17)

कानपुर में रविवार दोपहर में भी घनी धुंध।

डेलही नहीं अब डेडली कहिए

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : दिल्ली देश की राजधानी है। यहां संसद से लेकर राष्ट्रपति भवन तक है। प्रधानमंत्री कार्यालय है। यहां पर दो-दो सरकारें हैं। इन सबके बावजूद हफ्ते भर से लोगों को सांस लेने के लिए साफ हवा मयस्सर नहीं है। स्मॉग से शहर का वायु प्रदूषण जिस खतरनाक स्तर पर चला गया है, उससे अंग्रेजी में डेलही तेजी से जानलेवा यानी

■शेष पृष्ठ 13 पर

यह भी देखें

Sponsored Links by Taboola

How Far Will You Go To Have The Perfect Affair?